Title: Requests to provide relief to the flood affected areas of Bihar and need to start sugar mills at Motihari and Chakia.

श्रीमती रमा देवी (मोतीहारी): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगी कि पूरे उत्तर बिहार में बाढ़ के बढ़ते प्रकोप के चलते वहां का जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, यातायात भी ठप्प हो गया है तथा वहां जान माल का काफी नुकसान हुआ है। खासकर उत्तर बिहार के आदापुर विधान सभा क्षेत्र के सभी गांव, मोतिहारी लोक सभा क्षेत्र के सभी छः विधान सभा क्षेत्रों तथा बेतिया, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, वैशाली, सुपौल, सहरसा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सारण, गोपालगंज, भागलपुर तथा बांका आदि लोक सभा क्षेत्रों में बाढ़ से वहां का जन-जीवन प्रभावित हुआ है। वहां के लोग त्राहिमाम कर रहे हैं। नेपाल की कई नदियां एवं सिकुरना, गंडक, बूढ़ी गंडक, कमलाबालाना, कोसी, बागमती, महानंदा, अधवारा, बकैया तथा गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहां की जनता अपने घरों के छप्पर, ऊंचे-ऊंचे टीलों तथा पेड़ों पर चढ़कर शरण लिये हुए है।

हमारा प्रधानमंत्री जी से आग्रह है कि वे वहां सर्वेक्षण करायें तथा बाढ़ की स्थिति को देखते हुए लोगों को सहायता देने की भरसक कोशिश करें। इसके साथ-साथ जिनकी फसल बर्बाद हुई हैं, उनको मुआवजा देने का प्रयत्न करें।

मैं यह भी कहना चाहूंगी कि मोतिहारी चीनी मिल को सुचारू रूप से चलाया जाये जिससे गरीब जनता को राहत मिले और वे उसमें काम करके अपनी रोजी-रोटी ढूंढ सकें। चकिया चीनी मिल, जो बंद है, उसे अविलम्ब चलाने की कोशिश की जाये। साथ-साथ पूर्वी चम्पारण जिले में बाढ़ के कहर से सारा क्षेत्र प्रभावित हैं इसलिए उसे बाढ़ग्रस्त घोषित किया जाये। बूढ़ी गंडक की नदी में जो बांध अधूरा पड़ा है, उसे पूरा कराया जाये। इन्दिरा आवास में २० हजार रुपये देने की जो योजना है, उसे २५ हजार रुपये किया जाये। मधुबनी घाट पुल का निर्माण अविलम्ब कराया जाये।